Ayodhya Wahi Hai Ram Bhi Wahi Hai Lyrics in Hindi English

Ayodhya Wahi Hai Ram Bhi Wahi Hai Lyrics in Hindi

अयोध्या में आये राम सपना नहीं है
अयोध्या वही है ,राम भी वही है !

बरसों से बैठे तंबू में राम थे
कोन कौन इनके पीछे हुए बदनाम थे
संतों की मेहनत व्यर्थ नहीं है
अयोध्या वही है ,राम भी वही है

कैकई माँ ने वनवास दिन्हा
दशरथ पिता ने भी था साथ दिन्हा
बाबरी ने भी ना छोड़ी कोई कमी है
अयोध्या वही है राम भी वही है

तुमने यातना कितनी सही थी
बुज़ुर्गों ने बातें तूम्हारि कही थी
समझ ना सका था बाबर ग़लत क्या सही गई
अयोध्या वही….

दीवाली तो भारत मनाता था कब से
भारत को हिंदू सजाता था कब से
सजा सच में भारत अब अयोध्या सजी है
अयोध्या वही है ,राम भी वही है

Ayodhya Wahi Hai Ram Bhi Wahi Hai Lyrics in English

Aayodhya mein aaye Ram sapna nahi hai
Aayodhya wahi hai, Ram bhi wahi hai!

Barso se baithe tambu mein Ram the
Kaun kaun inke peeche huye badnaam the
Santoon ki mehnat vyarth nahi hai
Aayodhya wahi hai, Ram bhi wahi hai

Kaikeyi maa ne vanvaas dinha
Dashrath pita ne bhi tha saath dinha
Babri ne bhi na chhodi koi kami hai
Aayodhya wahi hai, Ram bhi wahi hai

Tumne yaatna kitni sahi thi
Buzurgon ne baatein tumhari kahi thi
Samajh na saka tha Babur galat kya sahi gayi
Aayodhya wahi…

Diwali to Bharat manata tha kab se

Bharat ko Hindu sajata tha kab se
Saja sach mein Bharat ab Aayodhya saji hai
Aayodhya wahi hai, Ram bhi wahi hai

About Ayodhya Wahi Hai Ram Bhi Wahi Hai Bhajan in English

“Ayodhya Wahi Hai, Ram Bhi Wahi Hai” is a powerful and soulful bhajan that resonates deeply with the essence of devotion and spiritual awakening. This bhajan is a tribute to Lord Ram and the sacred city of Ayodhya, where his presence continues to inspire millions of devotees. The bhajan reflects the timeless nature of Lord Ram’s significance, reminding us that despite the passage of time, his essence and the land of Ayodhya remain unchanged.

Themes of the Bhajan:
The Eternal Presence of Lord Ram: The bhajan emphasizes that Lord Ram’s presence is not just historical but eternal. Whether in the past or present, his influence continues to guide the hearts of his devotees. The lyrics highlight how Ram’s journey, his struggles, and his divine presence are still felt today, just as they were centuries ago in Ayodhya.

Tribute to the Devotion of Saints and the Struggles of History: The bhajan acknowledges the struggles faced by the saints, who have long supported the cause of Lord Ram, and the sacrifices made by devotees throughout history. It also recognizes the efforts of those who fought to protect and uphold the values of Ram, even in times of adversity.

The Significance of Ayodhya: The bhajan brings attention to the sacredness of Ayodhya, the birthplace of Lord Ram. It asserts that the city, despite the challenges it has faced, still holds the same divine power as it did in the past. The lyrics celebrate Ayodhya as a beacon of hope, faith, and spirituality.

Celebration of Diwali and India’s Spiritual Roots: The bhajan connects the arrival of Lord Ram in Ayodhya with the celebration of Diwali. The festival, which marks the return of Lord Ram after his exile, is a symbol of the victory of good over evil. The bhajan reminds us of India’s rich spiritual heritage, where traditions like Diwali have been celebrated for centuries.

Key Message:
At its core, “Ayodhya Wahi Hai, Ram Bhi Wahi Hai” is a message of unwavering faith. It calls on people to remember that no matter what changes in the world, the power of devotion and the divine presence of Lord Ram remain constant. The bhajan reassures us that Ayodhya, the land of Ram, is sacred, and his teachings continue to inspire and guide us.

The bhajan beautifully captures the deep spiritual connection that millions of devotees share with Lord Ram and his birthplace, Ayodhya, making it an anthem of faith, perseverance, and devotion.

About Ayodhya Wahi Hai Ram Bhi Wahi Hai Bhajan in Hindi

“अयोध्या वही है, राम भी वही है” एक अत्यधिक प्रेरणादायक और भक्ति से भरा हुआ भजन है, जो भगवान राम और अयोध्या के पवित्र शहर की महिमा को दर्शाता है। यह भजन भगवान राम की उपस्थिति और अयोध्या की पवित्रता को एक स्थायी सत्य के रूप में प्रस्तुत करता है, जो समय की सीमाओं से परे है। भजन यह बताते हुए हमें भगवान राम के शाश्वत महत्व और अयोध्या की अनूठी भूमि की याद दिलाता है, जो आज भी हमारे दिलों में विद्यमान है।

भजन के प्रमुख विषय :
भगवान राम की शाश्वत उपस्थिति : यह भजन इस बात पर जोर देता है कि भगवान राम की उपस्थिति केवल इतिहास तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शाश्वत हैं। चाहे अतीत हो या वर्तमान, उनका प्रभाव हमेशा उनके भक्तों के दिलों में महसूस होता

है। भजन यह बताता है कि राम की यात्रा, उनके संघर्ष, और उनकी दिव्य उपस्थिति आज भी वैसी ही है जैसी अयोध्या में उनके समय के दौरान थी।

संतों की भक्ति और इतिहास के संघर्षों का सम्मान : भजन उन संतों की भक्ति को मान्यता देता है, जिन्होंने भगवान राम के कार्य को समर्थन दिया, और उन बलिदानों को स्वीकार करता है जो भक्तों ने भगवान के मार्ग को सच्चाई से बचाए रखने के लिए किए। यह भजन उन लोगों की मेहनत को भी सराहता है जिन्होंने राम के आदर्शों को जीवन में उतारने के लिए कठिनाइयों का सामना किया।

अयोध्या का महत्व : भजन अयोध्या के पवित्रता को सामने लाता है, जो भगवान राम का जन्मस्थान है। यह बताता है कि चाहे अयोध्या ने कितनी भी कठिनाइयों का सामना किया हो, वह आज भी वैसी ही दिव्यता रखता है जैसी पहले थी। यह भजन अयोध्या को एक ऐसा स्थान मानता है जो विश्वास, भक्ति और आस्था का प्रतीक है।

दीवाली और भारत की आध्यात्मिक जड़ों का उत्सव : यह भजन भगवान राम के अयोध्या आगमन और दीवाली के उत्सव को जोड़ता है। दीवाली, जो भगवान राम के वनवास से लौटने की खुशी में मनाई जाती है, अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। यह भजन भारत की आध्यात्मिक धरोहर की याद दिलाता है, जहां दीवाली जैसे त्योहार सदियों से मनाए जाते आए हैं।

मुख्य संदेश :
“अयोध्या वही है, राम भी वही है” भजन का मूल संदेश है अडिग विश्वास। यह हमें यह याद दिलाता है कि चाहे दुनिया में क्या बदलता है, भक्ति का बल और भगवान राम की दिव्य उपस्थिति हमेशा स्थिर रहती है। भजन यह भी बताता है कि अयोध्या, राम की भूमि, एक पवित्र स्थान है और उनके आदर्श और शिक्षाएं हमें हमेशा मार्गदर्शन देती हैं।

यह भजन भगवान राम और उनके जन्मस्थान अयोध्या के साथ लाखों भक्तों के गहरे आध्यात्मिक संबंध को सुंदर तरीके से व्यक्त करता है और भक्ति, संघर्ष, और श्रद्धा का प्रतीक बन गया है।